

ساتسंग वाली नगरी चल रे मना

सतसंग वाली नगरी चल रे मना,
पी ले राम जी के चरणों का तूँ जल रे मना,
चल रे मना, चल रे मना,
पी ले राम जी के चरणों का तूँ जल रे मना,
सतसंग वाली नगरी.....

इस नगरी में प्रेम की गँगा,
जो भी नहाए हो जाए चंगा,
मल मल के तूँ निर्मल कर रे मना,
सतसंग वाली नगरी.....

सतसंग के है अजब नज़ारे,
बहुत सुहाने बहुत ही प्यारे,
पी ले सुख और शांति का फल रे मना,
सतसंग वाली नगरी

सतसंग का है संग निराला,
मनमंदिर में जो करे उजाला,
अपने जीवन को सफल तूँ कर रे मना,
सतसंग वाली नगरी

मतसंग वाली नगरी चल रे मना,
पी ले राम जी के चरणे का तूँ जल रे मना,
चल रे मना चल रे मना,
पी ले राम जी के चरणे का तूँ जल रे मना,
मतसंग वाली नगरी.....

एस नगरी मे प्रेम की रींगा,
जे वी नहाए हो जाए चंगा,
मल मल के तूँ निरमल कर रे मना,
मतसंग वाली नगरी.....

मतसंग के है अजब नज़ारे,
बहुत सुहाए बहुत ही पिआरे,
पी ले सुख और स्थांती का ढल रे मना,
मतसंग वाली नगरी.....

मतसंग का है संग निराला,
मनभिंदर मे जे करे उजाला,
आपने जीवन के मढल तूँ कर ले मना,
मतसंग वाली नगरी.....

अपलोड करता :- अनिल भेपाल

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/3605/title/satsang-vali-nagari-chal-re-mana-peo-le-ram-ji-ke-charno-ka-tu-jal-re-mana>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले।